व्यवसाय योजना

हथकरघा

(पट्टू और स्टॉल)

पार्वती समान रूचि समूह बलाधी

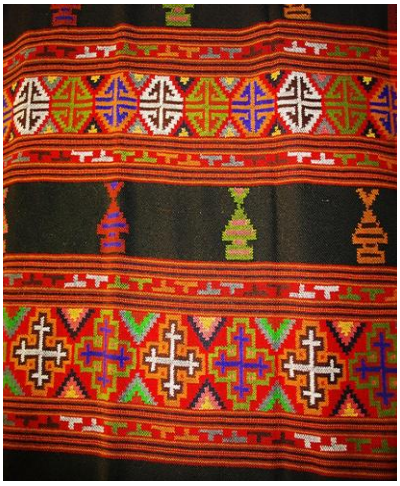

ग्राम वन विकास समिति -	बलाधी
ग्राम पंचायत -	तलपीणी
वन परिक्षेत्र -	जरी
वनमण्डल -	पार्वती
वनवृत -	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जाईका वित्तपोषित)

विषय –सूची

क0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची	3
3	गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण	3-4
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	4
5	उत्पादन की प्रक्रियाऐं	4
6	उत्पादन नियोजन	4-5
7	विक्रय तथा विपणन	5-6
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	6
9	शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)	6-7
10	सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	7
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	7-8
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	9
13	अनुमान	9
14	उद्यम हेतूलाभ– लागत विश्लेषण	9-10
15	धन की आवश्यकता	10
16	सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना	10
17	**ऋण वापिस का किश्तवार नियोजन**	11
18	टिप्पणी	12
19	**प्रशिक्षण का अनुमानित व्यय**	13
20	**स्वयं सहायता समूह** के नियमों की सूचि	14
21	**ग्राम वन विकास समिति कार्यकारणी का अनुमोदन**	15
22	**सहमति पत्र व मण्डल प्रबन्धन इकाई की स्वकृति**	16
23	स्वयं सहायता समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	**17**

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्थित है । यह राज्य कुदरती सुंदरता और समृद्दि सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूर है । राज्य में विविध पारितंत्र, नदियों, घाटियों पाई जाती है । इसकी आबादी 70 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय क्षेत्र ऊँचाई और ठंडे क्षेत्र पाया जाता है । राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है । हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 7 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है । जिसमे कुल्लू जिला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति बलाधी की सूक्ष्म योजना बनाई गयी है । सूक्ष्म योजना के अनुसार ग्राम वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि एक बीघा से कम है इसके इलावा सिंचाई के कोई भी साधन नहीं है । सिचांई की उचित व्यवस्था न होने के कारण लोगों को उनके आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है । यहाँ के लोग मुख्यत: गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेती करने के साथ सेब, पलम, खुमानी इत्यादि बागवानी फसले उगाते हैं।

इस समस्या उबरने के लिए स्वयं सहायता समूह पार्वती ने पट्टू और स्टॉल इत्यादि का कार्य करके अपनी आजीविका बढाने का निर्णय लिया है । परियोजना के अंतर्गत आजीविका सुधार योजना गतिविधि में 2 स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं इन में से (पार्वती) स्वयं सहायता समूह का 29 मार्च, 2022 को गठन किया गया है । इस समूह में कुल 12 महिलाएँ सदस्य है । इस स्वयं सहायता समूह को दिनाकं 20-07-2022 समान रूचि समूह में पार्वती में परिवर्तित किया गया है । इस समान रूचि समूह ने विस्तार से चर्चा करने पर पट्टू और स्टॉल बनाने व विपणन करने का निर्णय किया है।

उत्पादन के बाद विपणन करने के लिए स्थानीय दुकानदारों के साथ समूह को जोड़ा जाएगा । जिससे उनकी आजीविका को सुधारा जा सके। समूह के सदस्य सामूहिक तौर पर ज्यादा मांग होने पर उत्पादन को बढ़ा के अपनी आजीविका बढा सकती है । समूह ने तय किया है कि परियोजना की सहायता से 75% पूंजीगत व्यय वहन किया जाएगा। 25% लाभार्थी अंश नकदी कैश के रूप इकट्ठा करके देंगे । आवर्ती व्यय बैंक से एक बार ऋण लेकर करेंगे।

पट्टू और स्टॉल बनाने के लिए कच्चा माल व रच्छ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध है तथा विपणन की भी स्थानीय स्तर पर अपार सम्भावना है क्योंकि इस क्षेत्र में लगभग पूरी साल पर्यटकों का आना जाना रहता है । कुल्लू के पट्टू और स्टॉल की खासियत भारतवर्ष में विख्यात है अत: अपने परियोजना की सहायता से प्रारम्भ में परिवार व उपहार के लिए प्रचुर मात्रा में खरीददारी करते है । पट्टू और स्टॉल बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा पूंजीगत व्यय का 75% अंशदान भी परियोजना देगी । इसके अतिरिक्त 1,00,000/- परिक्रामी निधि (रेवोल्विंग फण्ड) दिया जाएगा । समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तो के हिसाब से कार्यो का आपसी बंटवारा करेंगे।

समूह से विस्तार से चर्चा करने के बाद व्यवसाय योजना बनाई गयी है । व्यवसाय योजना बनाते समय समूह के सदस्य की सख्यां पट्टू और स्टॉल बनाने की क्षमता तथा कच्चे माल की उपलब्धता माग व विपणन को ध्यान में रखकर 8 पट्टू और 120 स्टॉल प्रतिमाह तैयार करने की व्यवसाय योजना बनाई है। विपणन का कार्य मणिकरण, जरी, कसोल, भुन्तर व कुल्लू के बाज़ार में स्थानीय दुकानदारों से सम्बन्ध स्थापित करके किया जाएगा। लोकल हाथकरघा से बनाए गए पट्टू व स्टॉल को विदेशी पर्यटक के साथ अन्य पर्यटक बहुत पसंद करते हैं अत: कसोल, मणिकरण व जरी में विदेशी पर्यटक के आने के कारण इसकी भारी मांग रहती है । समूह वर्षभर 4 घंटे का समय निकालकर उपरोक्त उत्पादों का उत्पादन करेगा ।

विशेषज्ञ द्वारा मोके पर पट्टू और स्टॉल का मोके पर जा कर प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा शुरू में विशेषज्ञ की क्वालिटी कण्ट्रोल व विपणन में भी इनकी सेवाएँ लेना प्रस्तावित है।

पार्वती समान रूचि समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री पदम् सिंह चौहान (Retd HPFS), श्री राहुल वर्मा (SMS), श्रीमती बबिता ठाकुर (FTU coordinator), श्रीमती पवना देवी (FTU coordinator, श्री पवन कुमार (वन रक्षक) ने बार बार समूह के सदस्यों से बैठक करके इस व्यवसाय योजना को तैयार किया है। समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

क्रमांक	लाभार्थी का नाम व पता	पद	गांव	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री लुदर चन्द	प्रधान	पौहल	26	स्त्री	10वीं	अनुसूचित जाति	7807583587
2	श्रीमती रीता देवी पत्नी श्री गुप्त राम	उप-प्रधान	पौहल	35	स्त्री	2वीं	अनुसूचित जाति	8629052206
3	श्रीमती लता देवी पत्नी श्री तारा चन्द	सचिव	पौहल	22	स्त्री	12वीं	सामान्य	6230072711
4	श्रीमती यान दासी पत्नी श्री नोभी राम	कोषाध्यक्ष	पौहल	35	स्त्री	5वीं	अनुसूचित जाति	8219290155
5	श्रीमती रीता नेगी पत्नी श्री नौले राम	सदस्य	पौहल	26	स्त्री	10वीं	सामान्य	8894604468
6	श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री रम सिंह	सदस्य	पौहल	45	स्त्री	5वीं	सामान्य	9805375310
7	श्रीमती धर्मा देवी पत्नी श्री नवीन कुमार	सदस्य	पौहल	24	स्त्री	12वीं	सामान्य	7876655906
8	श्रीमती रीना देवी पत्नी श्री नौभी राम	सदस्य	पौहल	33	स्त्री	7वीं	सामान्य	8580784529
9	श्रीमती रीना कुमारी पत्नी श्री खूब राम	सदस्य	पौहल	38	स्त्री	7वीं	अनुसूचित जाति	8894462866
10	श्रीमती इशरा देवी पुत्री श्री नाथे राम	सदस्य	पौहल	36	स्त्री	6वीं	अनुसूचित जाति	8580815517
11	श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री जीत राम	सदस्य	पौहल	45	स्त्री	2वीं	सामान्य	8894053225
12	श्रीमती निर्मला पत्नी श्री टिक्कम राम	सदस्य	पौहल	40	स्त्री	4वीं	अनुसूचित जाति	8626984257

पार्वती समूह के सदस्य

2. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

2.1	**समान रूचि समूह** का नाम	पार्वती
2.2	**समान रूचि समूह** का एम. आई. एस. कोड	–
2.3	ग्रामीण वन विकास समिति	बलाधी
2.4	वन परिक्षेत्र	जरी
2.5	वन मण्डल	पार्वती वन मण्डल शमशी
2.6	गांव	बलाधी
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	जिला	कुल्लू
2.9	समूह के कुल सदस्यों की संख्या	12
2.10	समूह के गठन की तिथि	29 मार्च, 2022
2.11	समान रूचि समूह की मासिक बचत	100/-
2.12	बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचाालित	पंजाब नेशनल बैंक जरी
2.13	बैंक खाता संख्या	2216000100479778
2.14	समूह की कुल बचत	7200/-
2.15	समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	अभी तक नही
2.16	कैश कैडिट सीमा समूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति	–

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	38 कि0मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	3 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 38, भुन्तर 30 कि0 मी0
3.4	मुख्य बाजार से दूरी और नाम	भुन्तर 30, कुल्लू 38 कि0 मी0
3.5	अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी	भुन्तर 30, कुल्लू 38 कि0 मी0
3.6	बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की	भुन्तर 30, कुल्लू 38 कि0 मी0

	बिक्री की जायेगी	
3.7	ग्राम के सम्बन्ध में अन्य कोई विशिष्ठता जो समूह द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित हो	--

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	**पट्टू**, स्टॉल,
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	उत्पादित समान को स्थानीय बाजार **में भारी मांग है** । समूह में उत्पादन व विपणन करने पर **अतिरिक्त** आय की आपार सभावना है।
4.3	समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति	हां (सहमति पत्र पृष्ठ 15 पर सलंग्न है।)

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्व प्रथम समान रूची समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा **पट्टू और** स्टॉल आदि **बनाने का** प्रशिक्षण दिया जाऐगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाऐगीः–

1- **पट्टू और** स्टॉल, का ताना व वाना, वार्पिग मशीन द्वारा लगवाऐगें। इससे समय और उत्पादों की मज़दूरी दर का खर्चा कम होगा।

2- समूह में **सभी** सदस्य **आपस में कार्य का बटवारा करके पट्टू और** स्टॉल बनाने का कार्य करेगें।

3- सदस्य बारी–बारी विपणन करेगें व कच्चा माल भी लाऐंगे।

4- समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेगें।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाऐगा। जिसका विवरण इस प्रकार से हैः

1. <u>पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल)</u>

एक फूल का पट्टू 08 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगा। **प्रत्येक** सदस्य द्वारा प्रतिदिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 30 दिन में 01 पट्टू तैयार किया जाएगा।

2. <u>स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा</u>

विभिन्न डिजाईनों की स्टॉल 04 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। **प्रत्येक** सदस्य द्वारा प्रतिदिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 01 दिन में 01 स्टॉल तैयार **की** जाएगी।

6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन 4–5 घंटे कार्य करेगें	8 पट्टू 120 स्टॉल
6.2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	08 सदस्य पट्टू के लिए 04 सदस्य स्टॉल के लिए **कुल 12 सदस्य**
6.3	कच्चे माल का स्त्रोत	कुल्लू, भुन्तर
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू ,शमशी, भुन्तर

6.1 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

1. पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल)

क्रमाक	माह	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	धन राशी	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1		ताना (100% उन)	किलो ग्राम	2.800	1200	3360	8 पट्टू
2		वाना (100% उन)	किलो ग्राम	5.200	1200	6240	
3		कैशमीलॉन	किलो ग्राम	1.600	550	880	
4		धुलाई	नग	8	220	1760	
		कुल				**12240**	

2. स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा

क्रमाक	माह	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	धन राशी	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1		ताना बजन	किलो ग्राम	18	1500	27000	120 स्टॉल
2		वाना बजन	किलो ग्राम	19	1500	28500	
3		कैशमीलोन	किलो ग्राम	4	430	1720	
		योग				**57220**	

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	कुल्लू, भुन्तर, मणिकरण, जरी, कसोल
7.2	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	कुल्लू 38 कि0 मी0 मणिकरण 10 कि0 मी0 कसोल 7 कि0 मी0 भुन्तर 30 कि0 मी0
7.3	बाजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	उत्पादन से अधिक मांग है।
7.4	बाजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	• खुदरा दुकाने में पर्यटकों के द्वारा बड़े पेमाने पर खरीदारी की जाती है तथा स्थानीय निवासी द्वारा शादी समरोह पर खरीदारी की जाती है। • लोकल हाथकरघा से बनाए गए पट्टू व स्टॉल को विदेशी पर्यटक के साथ अन्य पर्यटक बहुत पसंद करते हैं अत: कसोल, मणिकरण व जरी में विदेशी पर्यटक में आने के कारण किसकी भारी मांग रहती है।
7.5	मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	पर्यटक सीजन के कारण गर्मियों में भारी मांग रहती है तथा सर्दियों में खरीदारी सामान्य रहती

		है।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	देसी व विदेशी पर्यटक व स्थानीय निवासी
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	देसी व विदेशी पर्यटक व स्थानीय निवासी
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	समान रूचि समूह को मणिकरण, कसोल और भुंतर के खुदरा दुकानदारों के साथ विपणन के लिए जोड़ा जाएगा तथा नेचर पार्क कसोल व मोहल से भी जोड़ा जाएगा।
7.9	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	मांग बढने या कम होने पर उत्पादन को मांग के अनुसार बढाया या कम किया जाएगा।
7.10	उत्पाद का ब्राण्ड नाम	पौहल हाथकरघा उत्पाद
7.11	उत्पाद का "नारा"	" पट्टू स्टॉल" "ये है हमारी रीती" " ये है हमारी शान"

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन में अनुभव रखने वाले 04 सदस्य बारी–बारी से विपणन करेगे।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समस–समय पर करते रहेगें।

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है।
2. समूह के एक सदस्य छोटे पैमाने पर बनाने व विपणन का कार्य पहले से कर रही है । जिस से समूह के अन्य सदस्यों को बुनाई व विपणन में असानी होगी।
3. उत्पादन लागत कम है तथा उत्पादन मांग अधिक है।

<u>दुर्बलता</u> : -

1. नया समान रूचि समूह है।
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है।

<u>अवसर</u> : -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।
2. स्थानीय बाज़ारों में पट्टू, स्टॉल, बॉर्डर और मफलर इत्यादि की पर्यटन क्षेत्र होने के कारण मांग अधिक है।
3. परियोजना द्वारा लोकल बड़े या छोटी रच्छ और कंघे इत्यादि खरीदने पर 75% किमत को वहन किया जाएगा।
4. परियोजना द्वारा हथकरघा का प्रशिक्षण विशेषज्ञ द्वारा मौके पर / प्रशिक्षण संस्थानों में करवाया जाएगा।

जोखिम

1. समूह में आंतरिक झगडे होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।
2. मांग व पारदर्शता के अभाव में समूह टूटने की सम्भावना हो सकती है।

10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क0सं0	जोखिमों का विवरण	::	जोखिम कम करने के लिए उपाय
10.1	उत्पादों की स्थानीय बाज़ारों में मांग कम होने की सम्भावना हो सकती है ! जिसका विक्री व् आय पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा !	::	मणिकरण, कसोल और भुंतर के खुदरा दुकानदारों के साथ विपणन के लिए जोड़ा जाएगा तथा नेचर पार्क कसोल व मोहल से भी जोड़ा जाएगा।
10.2	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से विक्री कम हो सकती है !	::	गुणवत्ता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे !

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

पूंजीगत व्यय

क्रमाक	गतिविधि	मात्रा	दर	कुल व्यय	परियोजना अंश (75%)	लाभार्थी अंश (25%)
1	11 लोकल छोटे रच्छ (लोकल हथकरघा) 4.5 ft. (लम्बाई) X 3.00 ft. (चौड़ाई) (5500 रूपये प्रति रच्छ)	11	5500	60500	45375	15125
2	छोटे कंघे (7 विहा)	3	650	1950	1463	487
3	ब्रुआ (12 विहा)	3	700	2100	1575	525
4	स्टोरेज बॉक्स	1	5000	5000	3750	1250
5	परिवहन	1	3500	3500	2625	875
	योग			**73050**	**54788**	**18262**

- उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश नकदी के रूप में स्वयं वहन करेंगे |
- 1 सदस्य के पास लोकल रच्छ पहले से ही उपलब्ध है |

क0सं0	विवरण	मूल्य (रू0 में)
व	आवर्ती लागत	
व .1	1. <u>पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल)</u>	

क्रमाक	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	धन राशी	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	ताना	किलो	2.800	1200	3360	8 पट्टू

	(100% उन)	ग्राम				
2	वाना (100% उन)	किलो ग्राम	5.200	1200	6240	
3	कैशमीलॉन	किलो ग्राम	1.600	550	880	
4	धुलाई	नग	8	220	1760	
5	मजदूरी	दिन	137	350	47950	
	कुल				**60190**	

60190

2. स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा

क्रमाक	**वस्तु का नाम**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर**	**धन राशी**	**उपेक्षित उत्पादन की मात्रा**
1	ताना बजन	किलो ग्राम	18	1500	27000	120 स्टॉल
2	वाना बजन	किलो ग्राम	19	1500	28500	
3	कैशमीलोन	किलो ग्राम	4	430	1720	
4	मजदूरी	दिन	69	350	24150	
	योग				**81370**	

81370

	योग(क)	**141560**
(i)	किराया कमरा बिजली बिल इत्यादि	1500
(ii)	पैकिंग मटेरियल (पॉलिथीन बैग, स्टीकर, टैग आदि)	2000
(iii)	गाडी किराया (कच्चा माल तथा उत्पादित माल विक्री हेतु)	2500
(iv)	अन्य खर्चे (खड्डी रिपेयर, स्टेशनरी इत्यादि)	1000
	योग (ख)	**7000**
	आवर्ती लागत =	**148560**
	आवर्ती व्यय= (आवर्ती लागत - मजदूरी)	**76460**
	कुल व्यवसाय योजना **(A+B)** =	**221610**
स	आय	
स.1	प्रत्यक्ष आय	
स.1.1	पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल) 8 नंबर @ 20000	160000
स.1.2	स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा 120 नंबर @ 900	108000
	योग	**268000**
	कुल अनुमानित आय	**268000**

12 अर्थव्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	148560
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	580
3	बैंक से ऋण पर 10.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	3878
	योग	**153018**

13 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क0स0	विवरण	इकाई	धनराशि (रू0)
1	**उत्पादन की लागत** 1 पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल) 2 स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा	नंबर	 7523.75 678.08
2	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)** 1 पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल) 2 स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा	 165.82% 32.73%	 12476.25 221.92
3	**कुल (1+2)** 1 पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल) 2 स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा	नंबर	 20000 900
4	**बाजार भाव** 1 पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल) 2 स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा	नंबर	 22000 1000
5	**आगणित/आंकलित विकय मूल्य** 1 पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल) 2 स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा	नंबर	 22000 1000

14. उद्यम हेतू लागत–लाभ विश्लेषण एक चक्र में यानि 01 महीना में

क0स0	मद	धनराशि (रू)
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मुल्य ह्रास (अ)	580
2	**आवर्ती लागत (ब)-**	
2.1	किराया कमरा बिजली बिल इत्यादि	1500
2.2	मजदूरी	72100
2.3	कच्चा माल	69460
2.4	अन्य खर्चे (खड्डी रिपेयर, स्टेशनरी इत्यादि)	1000
2.5	गाडी किराया (कच्चा माल तथा उत्पादित माल विक्री हेतु)	2500
2.9	पैकिंग मटेरियल (पॉलिथीन बैग, स्टीकर, टैग आदि)	2000

	योग (ब)	**148560**
3	**कुल उत्पादन**	
3.1	पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल)	8 नग
3.2	**स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा**	120 नग
4	**उत्पादन की विक्री**	
4.1	पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल)	20000
4.2	**स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा**	900
5	**उत्पाद की विक्री से आय (स)**	
5.1	पट्टू (तीन फूल तारा गुडी बेल)	160000
5.2	**स्टॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा**	108000
	योग (स)	**268000**
6	कुल लाभ स-(अ+ब)= 268000 - (580 + 148560)	**118860**
7	उत्पाद विक्री से सकल लाभ = कुल लाभ + मजदूरी + किराया = 118860+ 72100 + 1500	**192460**
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतु उपलब्ध धनराशी = उत्पाद की विक्री से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी + दुसरे चक्र हेतु आवशयक आवर्ती व्यय) = 268000 - (5788 + 612 + 76460)	**185140**

- पूंजीगत व्यय का 50% समूह के सदस्य नकदी CASH के रूप में वहन करेंगे |
- बैंक ऋण की दर में से 5% ब्याज परियोजना द्वारा सीधे बैंक के खाते में जमा किया जाएगा। शेष व्याज 5.5 % समूह द्वारा अदा किया जाएगा |

15 धन की आवश्यकता

(क) समूह की वित्तीय आवश्यकता (प्रथम माह)

क्रं. सं.	**मद**	**धनराशी (रु)**
1	पूंजीगत व्यय	73050
2	आवर्ती व्यय	76460
	योग	**149510**

(ख) समूह के वित्तीय संसाधन

क0स0	**संसाधन का विवरण**	**धनराशी (रु)**
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी (75% पूंजीगत व्यय)	**54788**
2	लाभार्थी अंश (25% पूंजीगत व्यय)	**18262**
3	समूह की आंतरिक बचत	7200
	योग	**80250**

- बैंक से ऋण लेने के लिए परियोजना द्वारा 1,00,000 परिक्रिमी निधि प्रदान की जायेगी तथा इसके इलावा आवर्ती व्यय 76460 रुपए के लिए बचत से 7200 तथा शेष राशि 69260 या कहें 70000 रुपए बैंक से ऋण लिया जाएगा |

16. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणनाः

ब्रेक इवन पॉइंट = 73050 / 268000 - 148560

अतः ब्रेक इवन पॉइंट = 73050 / 119440

= 0.61 माह = 0.61 x 30 = 18 दिन

प्रत्येक पट्टू और स्टॉल के लाभ की गणना पर सम विच्छेदन बिन्दू 18 दिनों में उपरोक्त अनुपात में विक्रय करने पर प्राप्त किया जा सकता है।

17. बैंक से ऋण वापसी का किशतवार नियोजन

क0 स0	माह	ऋण वापसी						संचय ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मुलधन	कुल ब्याज	**परियोजना द्वारा 5 % ब्याज देय**	**समूह द्वारा शेष ब्याज 5.5% देय**	**समूह** द्वारा **प्रति माह देय किश्त**	कुल		मुलधन	ब्याज	कुल
1	महीना –1								70000	612	70613
2	महीना –2	5788	612	292	320	6400	6400	6400	64213	562	64774
3	महीना –3	5838	562	268	294	6400	6400	12800	58374	511	58885
4	महीना –4	5889	511	243	268	6400	6400	19200	52485	459	52944
5	महीना –5	5941	459	219	240	6400	6400	25600	46544	407	46952
6	महीना –6	5993	407	194	213	6400	6400	32000	40552	355	40906
7	महीना –7	6045	355	169	186	6400	6400	38400	34506	302	34808
8	महीना –8	6098	302	144	158	6400	6400	44800	28408	249	28657
9	महीना –9	6151	249	118	131	6400	6400	51200	22257	195	22452
10	महीना –10	6205	195	93	102	6400	6400	57600	16052	140	16192
11	महीना –11	6260	140	67	73	6400	6400	64000	9792	86	9878
12	महीना –12	9792	86	41	45	5144	5144	5144	0	0	0
	योग	**70000**	**3878**	**1847**	**2031**	**69144**	**69144**	**357144**	**0**	**0**	**0**

- 10.5% वार्षिक ब्याज की गणना प्रतिमाह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अंतिम ई.एम.आई. नियमित ई.एम.आई. से कम हो सकती है।

टिप्पणी

समूह द्वारा पट्टू और स्टॉल तैयार किये जायेंगे तथा इनके विक्रय करने पर समूह को मजदूरी के रूप में 72100 रूपए तथा लाभांश से 113040 रूपए मिलेंगे। इस प्रकार प्रत्येक सदस्य को 6008 रुपए मजदूरी के रूप में तथा 9420 रुपए लाभांश के रूप में आय होगी । इसके अतिरिक्त वर्ष में 1847 रुपए ब्याज के रूप में बचत भी होगी।

प्रशिक्षण का अनुमानित व्यय

क्रमांक	विस्तार	अवधि/संख्या	दर (रुपए में)	राशी (रुपए में)
1.	विशेषज्ञ का मानदेय (i) हथकरघा	45 दिन (8 घंटे प्रति दिन)	1000 प्रति दिन	45000
2.	विशेषज्ञ का गाडी से आने-जाने का किराया	45 दिनों के लिए वास्तविक बस किराया	100 प्रति दिन	4500
3.	कच्चा माल (ताना बाना)	12 ट्रेनी	1000	12000
4.	कमरे का किराया बिजली बिल के साथ	45 दिन (एक और आधे महीने के लिए)	1500	2250
5.	अन्य खर्चे (चाय, स्नैक्स, स्टेशनरी इत्यादि)	45 दिन	15 रुपए ट्रेनी	8100
			कुल योग	**71850**

- प्रशिक्षण का उपरोक्त व्यय परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा ।

समान रूचि समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : **हथकरघा (पट्टू और** स्टॉल)
2. समूह का पता : **गाँव पौहल, डाकघर जरी, तहसील भुन्तर और जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।**
3. समूह के कुल सदस्य : 12
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ; 29 **मार्च**, 2022
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05. तारिक को होगी।
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें।
8. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
9. स्वंय सहायता समूह का खाता **पंजाब नेशनल बैंक** बैंक शाखा **जरी** में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर 2216000100479778 है।
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा।
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा।
13. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें।
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें।
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी।
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए।
19. स्वंय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी।

Sajal
Date : / /20
Page:

आज दिनांक 15/09/22 को ग्रामीण वन विकास समिति की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन प्रधान श्री ओमराज की अध्यक्षता में की गई।

बैठक में स्वयं सहायता समूह (व्यवस्था देवी) की व्यवसाय योजना को प्रधान स्वयं सहायता समूह श्रीमती कमला देवी (नाग देवता) तथा पार्वती स्वयं सहायता समूह की प्रधान श्रीमती पार्वती देवी ने कार्यकारिणी में प्रस्तुत किया गया। कार्यकारिणी में विस्तार से चर्चा करने पर उपरोक्त व्यवसाय योजना को सर्वसहमति से पारित किया गया तथा आगामी कार्यवाही हेतु एफ० टी० यू० जरी को प्रेषित किया गया।

बैठक में निम्नलिखित जाईका परियोजना के कर्मचारी उपस्थित थे। व सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है

क्र०सं०	नाम	पद	हस्ताक्षर
1)	ओम राज	प्रधान	OmRaj
2)	धर्मा देवी	उपप्रधान	Dharma
3)	जगना देवी	सचिव / सदस्य	जगना देवी
4)	दुर्गा देवी	सदस्य	दुर्गा देवी
5)	गणेश दत्त	सदस्य	GANESH DUTT
6)	धानदासी	"	धान दासी
7)	कमला देवी	"	Kamla Devi
8)	खूब राम	"	[signature]
9)	रीना देवी	"	रीना देवी
10)	गंगा देवी	"	गंगा देवी
11)	केहर सिंह	"	Kehar Singh

प्रधान [signature]
ग्राम वन विकास समिति
मलाणी जिला कुल्लू हि.प्र

समूह का सहमती पत्र

आज दिनाकं 14-09-22 को 'पार्वती' समान रुची समूह गॉव पौहल की बैठक प्रधान श्रीमती कृष्णा देवी की अध्यक्षता में हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने सर्व सहमती से निर्णय लिया की आय बढाने के लिए पट्टू, और स्टॉल हथकरघा (देसी) का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका) से जुड़ने की सहमती प्रदान करते है !

सचिव
पार्वती समूह पौहल
जिला कुल्लू (हि.प्र.)
समूह के सचिव के हस्ताक्षर

प्रधान
पार्वती समूह पौहल
जिला कुल्लू (हि.प्र.)
समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

Recommended for approval

FTU-cum-Range Forest Officer
Jari

Deputy Conservator of Forest
Parvati Forest Division, Shamshi

समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ

 श्रीमती कृष्णा देवी (प्रधान)	 श्रीमती रीता देवी (उप- प्रधान)	 श्रीमती लता देवी (सचिव)	 श्रीमती यान दासी (कोषाध्यक्ष)
 श्रीमती रीता नेगी (सदस्य)	 श्रीमती दुर्गा देवी (सदस्य)	 श्रीमती धर्मा देवी (सदस्य)	 श्रीमती रीना देवी (सदस्य)
 श्रीमती रीना कुमारी (सदस्य)	 श्रीमती इशरा देवी (सदस्य)	 श्रीमती गंगा देवी (सदस्य)	 श्रीमती निर्मला (सदस्य)

पार्वती पोहल सहायता समूह की अतिरिक्त गतिविधि

चयन :आज दिनांक 03.12.2025 को पार्वती पोहल स्वयं सहायता सुमह ने निर्णय किया गया है कि समूह की आय बढाने के लिए व्यवसाय योजना में दर्शाए गई गतिविधियों के इलाबा बैग बनाकर भी अतिरिक्त आय अर्जित की जाएगी ।

स्वयं सहायता समूह का स्वरूप व आजीविका की गतिविधि -: समूह में 12 महिलाएँ सदस्य कार्यरत है। व्यवसाय योजना के अनुसार समूह के सदस्य हथकरघा गतिविधियों से आय प्राप्त कर रहे हैं। परन्तु मांग कम होने के कारण अत्यधिक हथकरघा का कार्य नहीं कर पा रहे हैं। अत: विभिन्न प्रकार के बैग बनाने का कार्य 9 महिलाए समूह में करना चाहती है ताकि अतिरिक्त आय मे बढ़ोतरी की जा सके I

परियोजना द्वारा प्रदान की जाने बाली सहायता परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% व्यय वहन किया गया है जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:

परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

पूंजीगत व्यय

क्रम संख्या	विवरण	मात्रा	मूल्य दर	कुल व्यय	परियोजन द्वारा (75%)	लाभार्थी अंश (25%)
1	हुड मशीन (S2B)	1	28000	28000	21000	7000
2	सिलाई मशीन	9	10000	90000	67500	2500
3	इंटर लौक मशीन	1	10000	10000	7500	2500
4	स्टील रैक्स	2	5000	10000	7500	2500
5	इंच टेप	9	20	180	135	45
6	L -स्केल	6	100	600	450	150
7	प्रेस	5	1600	8000	6000	2000
8	केंची	5	800	4000	3000	1000
9	परिवहन व्यय		L / S	3000	2250	750
	कुल			**153780**	**115335**	**38445**

प्रशिक्षण व्यय - : समूह को परियोजना द्वारा अतिरिक्त गतिविधि चलाने के लिए **30** दिन का निशुल्क बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसका व्यय का विवरण इस प्रकार से है- :

अनुमानित प्रशिक्षण व्यय

क्रम संख्या	वस्तुओं का विवरण	राशी रूपए में
1	प्रशिक्षण के लिए कच्चा माल	12000
2	जल पान	8100
3	संस्थागत शुल्क	2000
4	प्रशिक्षक का मानदेय	45000
5	स्टेशनरी	1500
6	प्रशिक्षक का भोजन और आवास अथबा बस किराया सुबिधा	15000
7	बैग बनाने के लिए सिलाई मशीन का समायोजन स्पेयर पार्ट्स सहित	1500
	कुल	**85100**

अतिरिक्त उत्पादन की प्रक्रिया -: समूह के सभी सदस्य मांग के अनुसार विभिन्न प्रकार के बैग बनाने का कार्य करेंगे I प्रति सदस्य 2 घंटा बैग बनाने का अतिरिक्त कार्य करेंगे। इस प्रकार **9** सदस्य 1 माह में 270 बैग

1. कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	धन राशी	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
बैग बनाने का कपडा जूट कपास मोती ,	मीटर	48	130	6240	**270 बैग**
मेटी क्लॉथ	मीटर	115	150	17250	
पैराशूट फेब्रिक क्लॉथ	मीटर	54	140	7540	
बैग स्टीकर	नंबर	540	5	2700	
सिलाई के धागे, स्पंज , प्रिंटिंग लीनिंग फेब्रिक	मीटर	108	120	12960	
अन्य परिष्करण सामग्री और ,बटन , जिप) अन्य और चैन सामान	नंबर	900 gm	2500kg	2250	
पैकिंग मटेरियल	-	L/S	-	2000	
अन्य खेर्चे	-	L/S	-	1500	
योग				52440	

12. अर्थ व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	52440
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास एक चक्र का	1282
	योग	**53722**

13 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क0स0	विवरण	संख्या	धनराशि(रू0)
1	यात्रा का बैग	1	700
2	लंच बॉक्स के लिए कैर्री बैग	1	250
3	पानी की बोतल के लिए कैर्री बैग	1	200
4	बड़ा बैग	1	450
5	मोबाइल कवर	1	100
.6	हैण्ड बैग	1	400
.7	मिनी उपयोगिता बैग	1	100

14 उद्यम हेतू लागत–लाभ विशलेषणएक चक्र में यानि 01 महीना में

क0स0	मद	धनराशि (रू)
1	पूंजीगत व्यय पर %10 वार्षिक मुल्य ह्रास(अ)	1282
2	आवर्ती लागत-(ब)	52440
2-1	बैग का बराबर संख्या में बनाने पर औसत विक्रय मूल्य	315
	बैग का कुल विक्रय मूल्य	85050
3	कुल लाभ (85050 - 52440)= 32610	32610

- पूंजीगत व्यय का 25% समूह के सदस्य नकदी के रूप में देंगे तथा 75% परियोजना द्वारा वहन करेंगे।
- अन्य खर्चे जैसे गाडी का किराया , कमरे का किराया, बिजली का खर्चा इत्यादि इसमें समिलित नही किया गया है क्यूंकि ये खर्चा मुख्या गतिविधि में ही वहन किया जा रहा हैI

टिप्पणी

समूह प्रथम चक्र में 270 बैग का उत्पादन करेंगे तथा इनके विक्रय करने पर समूह को 32610 रूपए की आय होगी। इस आय का सभी लोग समान रूप से बंटवारा करेंगे।

समूह का सहमती पत्र

आज दिनांक 15/12/25 को श्रीमती कृष्णा देवी जी की अध्यक्षता में पार्वती स्वयं सहायता समहू की बैठक हुई जिसमे समहू के सभी सदस्यों ने निर्णय किया है कि समहू की अतिरिक आय बढाने के लिए (अतिरिक गतिविधि के रूप में) बैग बनाने का कार्य करने की सहमति प्रदान की गई है।

सचिव लता देवी
पार्वती समूह पौंहल
जिला कुल्लू (हि.प्र.)

समूह के सचिव के हस्ताक्षर

प्रधान Krishna
पार्वती समूह ना-
जिला कुल्लू (हि.प्र.)

समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

Range Forest Officer
Forest Range Jari